अनुक्रमणिका

गद्‌य एवं पद्‌य (Prose and Poetry)

क्रम	प्रकरण	विधा	भाषायी कौशल (Language Skills)	पृष्ठ संख्या
1	कोशिश करने वालों की हार नहीं होती	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	01
2	लालू	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	07
3	पंच परमेश्वर	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	15
4	अंधेर नगरी	एकांकी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	25
5	काबुलीवाला	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	36
6	नीति के दोहे	दोहे	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	44
7	बाबू जी बारात में	हास्य-व्यंग्य	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	50
8	भोलाराम का जीव	हास्य-व्यंग्य	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	58

व्याकरण एवं शब्दावली (Grammar& Vocabulary)

1	वर्ण विचार (Phonology)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	71
2	शब्द विचार (Morphology)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	74
3	उपसर्ग (Prefix)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	78
4	प्रत्यय (Suffix)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	79
5	संज्ञा (Noun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	80
6	सर्वनाम (Pronoun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	83
7	क्रिया (Verb)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	87
8	विशेषण (Adjective)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	90
9	लिंग (Gender)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	92
10	वचन (Number)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	94
11	कारक (Case)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	96
12	काल (Tenses)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	100

13	वाक्य (Sentence)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	102
14	विराम चिह्न (Punctuation)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	105
15	की/कि में अंतर	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	107
16	'र' के विविध रूप	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	108
17	विलोम शब्द (Antonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	109
18	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	110
19	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substiution)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	111
20	समरूपी भिन्नार्थक शब्द (Homonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	112
21	अनेकार्थी शब्द (Words with various meanings)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	113
22	मुहावरे (Idioms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	114
रचनात्मक लेखन (Creative writings)			
1	अपठित गद्यांश/पद्यांश (Unseen passage/Poem)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	117
2	पत्र लेखन (Letter Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	129
3	निबंध लेखन (Essay Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	144
4	विज्ञापन लेखन (Advertisement Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	158
5	डायरी लेखन (Diary Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	166
श्रवण कौशल(Listening Skills)			
1	वार्तालाप (संवाद) (Conversation)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	180
2	समाचार (News)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	183
3	कहानी (Story)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	188
4	साक्षात्कार/ फिल्म समीक्षा (Interview/ Film Review)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	191
5	व्यक्तित्व परिचय/ ज्ञानवर्धक (Informative)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	192
मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Oral Speaking Skills)			
1	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Oral Speaking Skills)	196

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

– सोहन लाल द्विवेदी

उद्देश्य –

इस कविता को पढ़कर विद्यार्थी –

- कठिन परिश्रम करने के लिए प्रेरित होंगे।
- विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखेंगे।
- यह जानेंगे कि कभी भी हार नहीं माननी चाहिए।

लेखक परिचय

पूरा नाम	सोहन लाल द्विवेदी
जन्म	22 फरवरी 1906
जन्म स्थान	फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
मृत्यु	1 मार्च 1988
कार्यक्षेत्र	कवि व साहित्यकार
प्रमुख कृतियाँ	भैरवी, पूजागीत सेवाग्राम, प्रभाती, युगाधार, कुणाल, चेतना, बाँसुरी, दूधबतासा आदि।
पुरस्कार एवं सम्मान	पद्मश्री आदि।

विचारणीय मंथन – (Statement of Inquiry)

- भाग्य के सहारे बैठे रहने से जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता।

विचारात्मक प्रश्न – (Inquiry Questions)

- भाग्य और परिश्रम में से आप किसे चुनेंगे और क्यों ?
- जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण कितना आवश्यक है ?
- क्या मेहनत का कोई विकल्प है ? समझाइए।

आइए शुरू करें –

आमतौर पर यह धारणा है कि यह कविता श्री हरिवंशराय बच्चन जी द्वारा रचित है। वास्तव में इस कविता के कवि श्री सोहन लाल द्विवेदी जी हैं। इसकी पुष्टि श्री हरिवंशराय बच्चन के पुत्र सुप्रसिद्ध अभिनेता अभिताभ बच्चन ने स्वयं की है। यह कविता हमें सिखाती है कि चाहे कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ क्यों न हो। हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए बल्कि डटकर उसका सामना करना चाहिए। आइए रसास्वादन लेते हैं इस कविता का ....

मुहावरे (Idioms)

मुहावरे हिंदी भाषा का आवश्यक अंग है। मुहावरों के बिना यह पूरी नहीं होती। किसी भी ऐसा वाक्यांश जो अपने साधारण अर्थ को छोड़कर कोई विशेष अर्थ को व्यक्त करता हो उसे व्याकरण की भाषा में मुहावरा कहते हैं। ऐसे में आप कुछ उदाहरणों के जरिये बड़ी आसानी से समझ सकते हैं कि मुहावरों का ज़िन्दगी में क्या स्थान है और किस तरह हम अक्सर उनका इस्तेमाल भी करते हैं।

1– अंक भरना (स्नेह से लिपटा लेना)– माँ ने देखते ही बेटी को अंक में भर लिया।

2– अंग टूटना (थकान का दर्द)– इतना काम करना पड़ा कि आज अंग टूट रहे हैं।

3– अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना (स्वयं अपनी प्रशंसा करना)– अच्छे आदमियों को अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना शोभा नहीं देता।

4– आँख का तारा – (बहुत प्यारा)– आज्ञाकारी बच्चा माँ–बाप की आँखों का तारा होता है।

5– आसमान से बातें करना (बहुत ऊँचा होना)– आजकल ऐसी–ऐसी इमारतें बनने लगी हैं, जो आसमान से बातें करती हैं।

6– अपनी खिचड़ी अलग पकाना (स्वार्थी होना, अलग रहना)–यदि सभी अपनी खिचड़ी अलग पकाने लगे, तो देश और समाज की उन्नति होने से रही।

7– आसमान टूट पड़ना (गजब का संकट पड़ना)– पाँच लोगों को खिलाने–पिलाने में ऐसा क्या आसमान टूट पड़ा कि तुम सारा घर सिर पर उठाये हो ?

8– ईंट का जबाब पत्थर से देना (जबरदस्त बदला लेना)– भारत अपने दुश्मनों को ईंट का जबाब पत्थर से देगा।

9– ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना)– तुम तो कभी दिखाई ही नहीं देते, तुम्हें देखने को तरस गया, ऐसा लगता है कि तुम ईद के चाँद हो गए हो।

विज्ञापन लेखन
(Advertisement writing)

उद्देश्य–

- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में सृजनात्मकता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करना।

विज्ञापन दो शब्दों से मिलकर बना है – वि + ज्ञापन अर्थात् जिसे विशेष रूप से बताया जाए वह विज्ञापन है। अंग्रेज़ी में विज्ञापन के लिए Advertisement शब्द है। आज किसी भी वस्तु को खरीदने और बेचने या किसी भी उत्पाद या विषय के बारे में पत्र–पत्रिकाओं में विज्ञापन दिए जाते हैं। इन विज्ञापनों के द्वारा अपना उत्पाद बेचने–खरीदने के लिए या अन्य जानकारी देने व लेने से लेकर अपने किसी अन्य विषय की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना होता है।

विज्ञापन के द्वारा ग्राहक यह जान पाता है कि उस वस्तु या सेवा में क्या विशेष गुण है, फिर वह अपनी आवश्यकता व बजट के अनुसार वह वस्तु/सेवा खरीद सकता है, उपभोग कर सकता है।

विज्ञापन तैयार करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए –

1– जिस वस्तु का विज्ञापन बनाना हो, उसका चित्र रंगीन स्पष्ट व आकर्षक होना चाहिए।

2– प्रभावशाली तरीके प्रस्तुत किया जाए जिसमें कम शब्दों में अधिक बात हो और कोई पंक्ति ऐसे लिखें जो 'स्लोगन' की तरह हो या ध्यान आकर्षित करके याद रह जाने वाली हो। तुकबंदी वाली पंक्तियाँ सुनने में अच्छी लगती है और उन्हें याद करने में भी आसानी होती है।

3– जिस वस्तु/सेवा का विज्ञापन बनाना हो उसका नाम आकर्षित करने वाला होना चाहिए।

4– प्रस्तुतीकरण में नवीनता होनी चाहिए, ताकि ग्राहक उसी तरह की दूसरी चीज़ों को छोड़कर विज्ञापित चीज़ की तरफ आएँ।

5– उसमें किसी चित्र या रेखाचित्र का प्रयोग करें।

6– जिस विषय के बारे में हो उसकी विशेषताओं/महत्व को बताने वाला हो।

7– उसे बॉक्स में बनाकर प्रस्तुत करें। इसका प्रभाव अधिक होता है।

8– प्रभावशाली बनाने के लिए रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

डायरी लेखन की प्रक्रिया –

रूपरेखा बनाना

↓

पूरे दिन की घटनाओं का बिन्दुवार समावेश

↓

घटनाओं की क्रमबद्धता

↓

घटनाओं का वर्णन

↓

अंत

उदाहरण

14 अगस्त 2015,
प्रिय डायरी,

आज का दिन तो बड़ा थका देना वाला रहा लेकिन मैं आशा करता हूँ कि ऐसा दिन मेरी ज़िंदगी में रोज आए। जैसा कि तुम जानती हो। आज सुबह 7 बजे घर से गाड़ी उठाकर हम परिवार के सभी लोग माउन्ट आबू की सैर पर निकल पड़े। अहमदाबाद की यह असहनीय गर्मी हमें माउन्ट आबू की ओर अनायास ही अपनी ओर खींच रही थी। बीच में ख्याल आया कि क्यों न अम्बा जी के दर्शन करते हुए चलें। पिताजी का यह विचार मुझे जँच गया, और लगभग 10 बजे हम अम्बा जी के मुख्य मंदिर पहुँच गए। मंदिर में श्रद्धालुओं की लम्बी लाइन देखकर एक बार तो मेरा मन डिग गया। सोचा बाहर से ही नमन करके आगे बढ़ते हैं। फिर मन में ख्याल आया कि इतनी दूर से आए हैं तो दर्शन तो करने ही चाहिए। खैर! लगभग 1 घंटे 20 मिनट के बाद हम दर्शन करने में सफल रहे। नाश्ते का समय निकल चुका था। हमने चाय की दुकान से चाय लेकर, घर से साथ लाई हुई माता जी के हाथ की स्वादिष्ट कचौड़ियों का आनंद लिया। लगभग 1 घंटे और चलने के बाद हम आबू रोड़ पहुँचे। आबू रोड़ से हमने जैसे ही माउन्ट आबू की चढ़ाई शुरू की। आबू की मनमोहक पहाड़ियाँ हमें दिखाई देने लगी। 27 किलोमीटर लम्बे इस पहाड़ी रास्ते पर गाड़ी चलाते हुए मुझे बहुत आनंद आया। एक बजते-बजते हम माउन्ट आबू पहुँच गए। हमने होटल पहले से ही बुक करवा लिया था। होटल में पहुँचकर अपना सामान रखकर हम खाने की तलाश में निकल गए। खाना खाने के बाद सुस्ती और थकान की वजह से होटल में थोड़ा आराम करने के बाद हम जैन मंदिर और सनसेट प्वांइट जा पहुँचे। जैन मंदिर की कारीगरी देखकर मैं भौंचक्का सा रह गया। कितने सालों में, कितनी मेहनत से यह मंदिर बना होगा। सनसेट प्वांइट का नज़ारा बेहद मनमोहक था। पहाड़ों के बीच अस्त होते सूर्य को देखने का अपना ही आनंद था। शाम को हमने दाल-बाटी का आनंद उठाया। राजस्थान आकर अगर दाल-बाटी न खाई तो क्या खाया? खाना और कुल्हड़ वाला दूध पीकर हम अपने होटल में वापस आ गए। थोड़ी देर टी.वी देखकर और परिजनों से बात करते-करते आँखें भारी होने लगी हैं।

खैर! कल का दिन भी बेहद व्यस्त रहने वाला है। चलो आज के लिए बस।
इतना ही। शुभ रात्रि!

विज्ञापन लेखन के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की अति आवश्यकता
विषयवस्तु Content	विज्ञापन की विषयवस्तु प्रेरक थी। अपेक्षित जानकारी एवं विवरण शामिल था।	विज्ञापन की विषयवस्तु प्रेरक थी। अपेक्षित जानकारी शामिल थी।	विज्ञापन की विषयवस्तु कुछ हद तक प्रेरक थी। अपेक्षित जानकारी के कुछ मुद्दे ही शामिल थे।	विज्ञापन न तो प्रेरक था और उसमें जानकारी एवं विवरण का का पूर्णतः अभाव था।
शब्दों का चयन Words choice	विज्ञापन बहुत ही रचनात्मक, वर्णनात्मक एवं कल्पनाशील शब्दों में लिखा गया था।	विज्ञापन कुछ रचनात्मक, वर्णनात्मक एवं कल्पनाशील शब्दों में लिखा गया था।	विज्ञापन बहुत ही सामान्य शब्दों में लिखा गया था।	विज्ञापन में प्रयुक्त शब्दों का चयन उचित नहीं था।
रचनात्मकता एवं साफ–सुथरा Creativity and Neatness	विज्ञापन आकर्षक, रंगीन और बहुत साफ–सुथरा था।	विज्ञापन रंगीन और मूल रूप से साफ–सुथरा था।	विज्ञापन थोड़ा रंगीन और थोड़ा साफ–सुथरा था।	विज्ञापन न तो रंगीन था और न ही साफ–सुथरा।
व्याकरणिक संरचना Grammar & spelling	व्याकरण, विराम चिह्न एवं वर्तनी में दो या उससे कम गलतियाँ थीं।	व्याकरण, विराम चिह्न एवं वर्तनी में तीन–चार गलतियाँ थीं।	व्याकरण, विराम चिह्न एवं वर्तनी में पाँच–छः गलतियाँ थीं।	व्याकरण, विराम चिह्न एवं वर्तनी में कई गलतियाँ थीं।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं विज्ञापन संबंधी सभी बातों से परिचित हो चुका/चुकी हूँ।			
2	मैं किसी भी विषय पर विज्ञापन बना सकता/सकती हूँ।			
3	उदाहरण रूपी विज्ञापन के माध्यम से विज्ञापन संबंधी मेरी समझ विकसित हुई है।			
4	मानदंड के आधार पर मैं विज्ञापन का मूल्यांकन कर सकता /सकती हूँ।			

समाचार

अब आप समाचार सुनेंगे। समाचार के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

11.1– महिन्दर दूसरी पारी में गेंदबाजी क्यों न कर सके?

____

____

11.2– महिन्दर के कितने भाई–बहन हैं?

____

11.3– पाकिस्तान की ओर से खेलने वाले गैर मुस्लिम खिलाड़ी कौन थे?

____

दिए गए प्रत्येक कथन में रेखाांकित की गई गलती को सही शब्दों या वाक्यांशों का प्रयोग करते हुए ठीक कीजिए।

11.4– महिन्दर पाल सिंह टूर्नामेंट में <u>न्यूपोर्ट</u> की तरफ से खेल रहे थे।

महिन्दर पाल सिंह टूर्नामेंट में __________ की तरफ से खेल रहे थे।

11.5– महिन्दर संभवतः <u>अफगानिस्तान</u> की घरेलू क्रिकेट में खेलने वाले पहले सिक्ख क्रिकेटर हैं।

महिन्दर संभवतः ______________ की घरेलू क्रिकेट में खेलने वाले पहले सिख क्रिकेटर हैं।

11.6– महिन्दर <u>रावलपिंडी</u> के रहने वाले हैं।

महिन्दर ______________ के रहने वाले हैं।